प्राकृतिक पूंजी का विकास

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में परिचालन संवहनीयता

» *यूएनएसडीजी*

» *कार्यनीति ब्लूप्रिंट*

» *कारोबार मॉडल अवयव*

3

» *तात्विक विषय*

1, 3, 4, 6, 8, 9, 26, 27, 28, 30, 32, 33.

अपने स्वयं के पर्यावरणीय प्रभाव को संबोधित करने में, हम अपने संगठन को डीकार्बोनाइजेशन, ऊर्जा बाजार की अस्थिरता और संभावित कार्बन मूल्य निर्धारण परिदृश्यों के जोखिम एवं जोखिम को कम करके भविष्य में होने वाले परिवर्तनों के लिए बेहतर ढंग से तैयार करते हैं.परिचालन स्थिरता, हमारे अपने पर्यावरण और कार्बन फुटप्रिंट में कमी, कुछ वर्षों में हमारे पर्यावरणीय स्थिरता कार्यक्रम की कुंजी रही है.

परिचालन स्थिरता लक्ष्य

वित्तीय वर्ष 2024 में, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया हमारे पर्यावरणीय स्थिरता प्रयासों को प्राथमिकता देने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण स्थिरता लक्ष्य निर्धारित करने की प्रक्रिया में है. इसमें हमारे ऊर्जा उपयोग और स्थान आधारित जीएचजी उत्सर्जन को कम करने, पानी की खपत और लैंडफिल में भेजे जाने वाले कचरे को कम करने और नवीकरणीय ऊर्जा खरीदने के लक्षित लक्ष्य शामिल हैं. हम आने वाले वर्षों में अपने अपशिष्ट को कम करने और पानी के महत्वपूर्ण संरक्षण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. इसके अलावा, हमारे द्वारा उपयोग की जाने वाली सामग्री को कम करने और जितना संभव हो सके रीसाइक्लिंग करने हेतु, हम इस क्षेत्र में अपना काम जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

अब तक, बैंक ने जल संरक्षण की दिशा में कुछ कदम ले चुका है. हमारे प्रयास, जैसे हमारे कॉर्पोरेट कार्यालय में जलरहित मूत्रालय उपलब्ध कराने एवं अन्य के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2022 में नरीमन प्वाइंट स्थित हमारे केंद्रीय कार्यालय भवन में पानी की खपत में 3% की कमी आई है.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने उत्तरदायी खरीद कार्यप्रणाली को सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक स्थायी सोर्सिंग प्रथाएं स्थापित की है. बैंक को पर्यावरण के अनुकूल और स्थायी माध्यमों से इनपुट और सामग्री प्राप्त करने की पहचान है. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की दीर्घकालिक स्रोत नीति में आपूर्तिकर्ता चयन, मूल्यांकन और चल रही निगरानी सहित कई पहलू शामिल हैं. आपूर्तिकर्ताओं के साथ बातचीत करते समय बैंक पर्यावरण, सामाजिक और नैतिक मूल्यों को ध्यान में रखता है. इसमें सतत क्षमता के प्रति आपूर्तिकर्ताओं की प्रतिबद्धता का आकलन करना शामिल है, जैसे कि पर्यावरणीय नियमों, श्रम मानकों और नैतिक कारोबार प्रथाओं का पालन. इस नीति के माध्यम से, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सतत विकास को बढ़ावा देने, पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने, निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं का समर्थन करने और समुदायों की भलाई में योगदान करने का वादा करता है. दीर्घकालिक स्रोतों को प्राथमिकता देकर, बैंक उत्तरदायी कारोबार प्रथाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और अधिक स्थायी भविष्य को बढ़ावा देने में अपना योगदान दे रहा है.

पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता

यूनियन बैंक ऑफ इंडला प्रिमियर ग्रीन रेटिंग ऑर्गनाइज़ेशन, कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) द्वारा समर्थित इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) का संस्थापक सदस्य बन गया है.

इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल

हमारे परिचालन उत्सर्जन को नेट जीरो तक करना

यूनियन बैंक अपने परिचालन फूटप्रिंट और अर्थव्यवस्था में कम कार्बन उत्सर्जित करने के लिए प्रतिबद्ध है. वित्तीय वर्ष 2022 में, हमने एक सुनिश्चित सीमा रेखा के सापेक्ष में अपने स्कोप 1 और 2 उत्सर्जन कटौती लक्ष्यों को परिभाषित करना शुरू किया है.

प्राकृतिक पूंजी का विकास

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में परिचालन संवहनीयता

हमारा उद्देश्य अपने परिचालन और कारोबारी यात्रा से होने वाले अवशिष्ट उत्सर्जन की भरपाई को जारी रखना है. यह कमी भारत में हमारे परिचालन और हमारे विदेशी कार्यालयों में हमारे नवीकरणीय विद्युत खरीद कार्यक्रम के विस्तार द्वारा प्राप्त की जाएगी.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने ई-कचरा को खतरनाक कचरे के रूप में वर्गीकृत कर आईटी संपत्तियों के निपटान के लिए विशिष्ट प्रक्रियाएं लागू की हैं. कंप्यूटर, एचडीडी, ड्राइव, टेप, प्रिंटर, स्कैनर और अन्य डेटा-प्रभावी उपकरणों सहित बैंक के डेटा वाले ई-कचरे का प्रबंधन करने के लिए, बैंक ई-कचरा प्रबंधन सेवाएं प्रदान कर रहा है. बैटरी जैसे खतरनाक आईटी कचरे के निपटान के संबंध में, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के साथ पुन: ख़रीद प्रक्रिया को अपनाया है. यह संभावित पर्यावरणीय जोखिमों को कम करते हुए, खतरनाक कचरे का सुरक्षित और अनुपालनात्मक ढंग निपटान सुनिश्चित करता है.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अपशिष्ट उत्पाद से सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उत्तरदायी अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं के लिए प्रमाणित रिसाक्लर्स और अधिकृत चैनलों के माध्यम से ई-कचरे और खतरनाक कचरे के पुनर्ग्रहण और निपटान के लिए प्रतिबद्ध है. इन प्रक्रियाओं का पालन करके, बैंक सक्रिय रूप से पर्यावरण में योगदान देता है और एक स्वच्छ और स्वस्थ भविष्य का निर्माण कर रहा है. हमारा लक्ष्य वित्त वर्ष 2024 से इन प्रयासों में अपनी प्रगति को प्रकट करना है.

नवीकरणीय ऊर्जा अपनाना

व्यापक स्तर पर अर्थव्यवस्था के डीकार्बोनाइजेशन में सहयोग करने के लिए, नवीकरणीय ऊर्जा की हमें पहचान है, साथ ही हमारे संचालन की ऊर्जा तीव्रता को कम करने की भी तत्काल आवश्यकता है. हम वर्ष 2030 तक अपनी ऊर्जा तीव्रता को कम करने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर रहे हैं.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का अपना सम्मानजनक व्यापक शाखा नेटवर्क है, जो देश भर में ग्राहकों को सुविधा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. दिनांक 31 मार्च, 2023 तक, आपके बैंक की हांगकांग, सिडनी और दुबई डीआईएफसी में स्थित 3 विदेशी शाखाओं सहित 8,580 शाखाओं का व्यापक नेटवर्क है. विशेष रूप से, इनमें से 58 प्रतिशत शाखाएँ भौगोलिक रूप से ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं, जो समाज के विभिन्न वर्गों तक वित्तीय समावेशन की पहुंच सुनिश्चित कर रही हैं.

बैंक का लक्ष्य अपनी > 8,577 से अधिक शाखाओं की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करना है. यह बैंक को उसके पर्यावरणीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम करेगा और वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से कम से कम 50% ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के भारत सरकार के उद्देश्य में योगदान देगा.

अभी तक, बैंक ने मुंबई में कॉर्पोरेट कार्यालय की छत पर और विजयवाड़ा में अपनी एक सुविधा पर ऑन-ग्रिड रूफटॉप सौर पैनल स्थापित किया हैं, जिसकी कुल क्षमता 72 किलोवाट है, और लगभग 300 यूनिट दैनिक बिजली पैदा करने की क्षमता है. आपका बैंक हमारे परिचालन में अधिक पर्यावरणीय दक्षता प्राप्त करने की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने के लिए ऊर्जा संरक्षण पहल में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है. प्रमुख पहलों में शामिल हैं:

» 2 मेगावाट क्षमता के रूफ टॉप सोलर प्लांट की स्थापना की गई है. इस इंस्टालेशन से सालाना 3427597 यूनिट्स का उत्पादन हो रहा है तथा वित्तीय वर्ष 22-23 में इससे 3153 मीट्रिक टन CO_2e कार्बन उत्सर्जन कम हुआ है.

» बैंक ने विजयवाड़ा और केंद्रीय कार्यालय, मुंबई के अपने भवन में क्रमश: 60 किलोवाट पावर और 12 किलोवाट पावर क्षमता का ग्रिड कनेक्टेड सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया है. इसके अतिरिक्त, केंद्रीय कार्यालय-एनेक्स मैंगलोर में 430 किलोवाट पावर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना प्रक्रिया में है.

» 60 किलोवाट पावर और 12 किलोवाट पावर से क्रमश: 70.52 मीट्रिक टन और 14.1 मीट्रिक टन $C0_2$ e कार्बन उत्सर्जन और यथा लागू मीट्रिक टन कम करने में मदद मिली है.

» इसके अतिरिक्त, 430 किलोवाट पावर की स्थापना से 690 मीट्रिक टन $C0_2e$ कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिलेगी.

» शुद्ध वायु और पर्यावरण में योगदान की दृष्टि से कार्यालय परिसर में इनडोर सजावटी पौधे लगाए जा रहे हैं.

यह कदम भविष्य में ऊर्जा के स्वच्छ और वैकल्पिक स्रोतों को अपनाने की हमारी महत्वाकांक्षा की दिशा में एक साधारण पहल है.

अंचज कार्यालय, विजयवाड़ा

केंद्रीय कार्यालय, मुंबई

गैर-प्रदूषणकारी वाहनों को अपनाने हेतु प्रोत्साहन

वित्तीय वर्ष 2022 के दौरान, बैंक ने अपने कर्मचारियों को गैर-प्रदूषणकारी वाहनों को अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया. इनमें सीएनजी, इलेक्ट्रिक या हाइब्रिड ईंधन वाले वाहन शामिल हैं जो कोई प्रदूषण नहीं फैलाते हैं. अपने कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए, बैंक ने अपने कर्मचारियों को उनके वाहन व्यय की प्रतिपूर्ति करने की पेशकश की है, जिससे ऐसे वाहनों की परिचालन लागत और भी कम हो गई है.

अपशिष्ट को कम करना और आपूर्ति शृंखला

लंबी अवधि के लिए, हमने अपने खरीद स्तर को स्थायी रूप से प्राप्त पेपर के कवरेज को बढ़ाने के लिए निर्देशित किया है. वित्तीय वर्ष 2022 की शुरुआत में, हमने एकल-उपयोग प्लास्टिक को समाप्त करने के विकल्पों की खोज की है. आगे, हमारा ध्यान हमारे अपशिष्ट प्रबंधन और मैटेरियल के उपयोग को सर्कुलर अर्थव्यवस्था सिद्धांतों में परिवर्तित करने, हमारे द्वारा उत्पादित कचरे की मात्रा को कम करने और हमारी इमारतों में मैटेरियल के पुन: उपयोग को अधिकतम करने के महत्व को पहचानने पर है.

अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित विवरण

मापदंड	वित्त वर्ष 22-23 (वर्तमान वर्ष)	वित्त वर्ष 21-22 (गत-वर्ष)
कुल अपशिष्ट उत्पादन (मीट्रिक टन में)		
प्लास्टिक वेस्ट (ए)	10961	8816
ई-वेस्ट (बी)	306	238
बैट्री वेस्ट (सी)	11	21
कुल (ए+बी+सी)	11278	9075
प्रत्येक श्रेणी में उत्पन्न कचरे के लिए, पुनर्चक्रण, पुन: उपयोग या अन्य पुन: प्राप्ति (मीट्रिक टन में)		
वेस्ट की श्रेणी		
(i) पुनर्चक्रण	11	21

» बैट्री अपशिष्ट वजन की गणना 85 रुपये प्रति किलोग्राम बिक्री के आधार पर की जाती है.

» ई- अपशिष्ट के वजन की गणना 50 रुपये प्रति किलोग्राम के बिक्री मूल्य के आधार पर की जाती है.

» पुनर्चक्रण अपशिष्ट की गणना बैट्री अपशिष्ट के आधार पर की जाती है क्योंकि इसका पुनर्चक्रण किया जाता है.

» प्लास्टिक अपशिष्ट (प्रति व्यक्ति अपशिष्ट उत्पादन) की गणना केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट का हवाला देते हुए की जाती है.

अपनी नई कार्यनीतिक दिशा का समर्थन करने के लिए, हम 2035 तक अपनी सभी शाखाओं में लैंडफिल और भस्मीकरण से सभी कचरे को हटाने के लिए एक नया लक्ष्य निर्धारित कर रहे हैं, जिसमें हमारी सुविधाओं में 100% कचरे का पुन: उपयोग, पुनरूद्देशित या पुनर्चक्रण किया जाएगा. यह हमारी शून्य अपशिष्ट कार्यनीति के कार्यान्वयन के माध्यम से हासिल किया जाएगा, जो वित्त वर्ष 2024 में शुरू होगी. इस पहल के हिस्से के रूप में, हम अपने सप्लाई चेन भागीदारों के साथ जुड़ने के लिए अपनी खरीद टीमों के साथ भी काम कर रहे हैं ताकि वे हमारे कार्यालयों में भेजी जाने वाली पैकेजिंग की मात्रा को कम करने की उनकी क्षमताओं को समझ सकें और आपूर्तिकर्ताओं से हमारे शून्य अपशिष्ट सप्लाई चेन चार्टर के लिए हस्ताक्षरित करने का अनुरोध कर सकें. चार्टर आपूर्तिकर्ताओं को पारगमन पैकिंग को खत्म करने, पुन: प्रयोज्य कंटेनरों में माल की आपूर्ति करने और अगली डिलीवरी में पैकेजिंग कचरे को वापस ले जाने के विकल्पों की जांच करने के लिए प्रोत्साहित करता है.

पेपर का प्रयोग कम करना

आपके बैंक में, हमने अपने ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से बड़ी संख्या में लेनदेन (बल्क संग्रहण/भुगतान/एमआईएस/चैनल वित्त) को पेपर-आधारित सुविधाओं से डिजिटल सुविधाओं में स्थानांतरित किया है, जिससे पेपर का उपयोग प्रभावशाली रूप से कम हो गया है. वित्तीय वर्ष 2023 के दौरान बैंक द्वारा किए गए डिजिटल लेनदेन की मात्रा इस प्रकार है:

वर्ष	लेनदेन की संख्या	राशि (करोड़ में)
वित्तीय वर्ष 2023	15,95,01,642	8,93,524.67

परिचालन दक्षता के लिए अपने डिजिटल नेटवर्क को बढ़ाया जाना

बैंक ने बैंक के डिजिटल पहलों को पुन: शुरू करके बैंक की डिजिटल परिवर्तन यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए एक समर्पित डिजिटाइजेशन वर्टिकल बनाया है. वर्टिकल में डिजिटल जर्नी, डिजिटल बैंकिंग विभाग और डिजिटल इंटरैक्शन और पार्टनरशिप शामिल हैं.

प्राकृतिक पूंजी का विकास

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में परिचालन संवहनीयता

डिजिटल चैनलों के माध्यम से प्रगति

डिजिटल चैनलों के माध्यम से वृद्धि (रु. करोड़ में)				
चैनल	31.03.2022	31.03.2023	वार्षिक वृद्धि	
			प्रत्याशित	(%)
मोबाइल बैंकिंग प्रयोगकर्ता	1.65	2.13	0.48	29
इन्टरनेट बैंकिंग प्रयोगकर्ता	0.68	0.74	0.06	9

फिनटेक आमेलन:

ग्राहकों की बढ़ती अपेक्षाओं और बदलते ग्राहक व्यवहार ने बैंकों को फिनटेक कंपनियों के साथ साझेदारी करने पर विचार करने के लिए मजबूर किया है, जिससे कि बैंकों के ग्राहकों को सर्वोत्तम, विश्व स्तरीय सेवाएं प्रदान की जा सके ताकि वे फिनटेक सेगमेंट में सुविधाओं से लाभान्वित हो सकें. बैंक की फिनटेक नीति अद्वितीय वित्तीय सेवाएँ विकसित करने वाली कंपनियों का एक पूल बनाने के लिए फिनटेक को सूचीबद्ध करने का प्रावधान करती है. फिनटेक का आसानी से उपलब्ध पूल बैंक को कम से कम समय में आवश्यक समाधान अपनाने में मदद करता है. बाजार अध्ययन और बैंक की अपेक्षित आवश्यकताओं के आधार पर, 24 फिनटेक को निम्नलिखित खंडों के तहत सूचीबद्ध किया गया है. ऐसे पैनल की वैधता तीन वर्ष की है.

- डिजिटल यात्राओं का विकास एवं एकीकरण
- बीमा सहित संपदा प्रबंधन
- कृषि ऋण
- यूआई/यूएक्स विकास एवं अनुकूलन
- आर्टिफिशियल/मशीन/डीप लर्निंग का उपयोग कर एनालिटिक्स
- इंटेलिजेंट वर्चुअल असिस्टेंट (चैटबॉट)
- डिजिटल विपणन
- नगद प्रबंधन, व्यापार और आपूर्ति शृंखला वित्तपोषण

सूचना प्रौद्योगिकी को और भी आगे ले जाना

अपने ग्राहकों को "डिजिटल अनुभव" प्रदान करना उनकी सुविधा और हमारी अपनी परिचालन क्षमता और उपभोग दोनों के लिए आवश्यक है. यूनियन बैंक में, हम क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल ऋण जैसी प्रौद्योगिकी में नवीनतम नवाचारों का लाभ उठा रहे हैं और अन्य के साथ-साथ उन्हें भी लागू कर रहे हैं. सुरक्षा से समझौता किए बिना नियामक मानदंडों का अनुपालन करने वाले कारोबार प्रणालियों और क्लाउड-आधारित अनुप्रयोगों तक उच्च कार्यनिष्पादन पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बैंक वर्तमान आईटी स्वरूप को बदल रहा है. साथ ही हम विविध, गतिशील और जटिल वातावरण में नवीन नवाचारों को सहयोग करने के लिए नए अनुप्रयोगों के लिए एंटरप्राइज सॉल्यूशन आर्किटेक्चर प्रथाओं को बढ़ावा दे रहे हैं.

खाता एग्रीगेटर: यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अकाउंट एग्रीगेटर इकोसिस्टम पर लाइव होने वाला पहला सार्वजनिक क्षेत्र का ऋणदाता बन गया, जो क्रेडिट वितरण में सुधार के लिए सरकार की डिजिटल पहल का एक हिस्सा है. अकाउंट एग्रीगेटर इकोसिस्टम ऋणदाताओं को भौतिक दस्तावेज के बिना निर्बाध सेवा प्रदान करने के लिए ग्राहक की सहमति से प्राप्त डिजिटल डेटा का लाभ उठाने में मदद करता है. कोई भी वित्तीय सूचना उपयोगकर्ता (एफआईयू) ग्राहक द्वारा अपने खाता एग्रीगेटर हैंडल पर दी गई सहमति के आधार पर डेटा का अनुरोध कर सकता है. बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक सूचना प्रौद्योगिकी (आरईबीआईटी) दिशानिर्देशों के अनुसार प्रौद्योगिकी स्टैक को लागू किया है.

ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी: ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी में बैंकिंग संबंधी सेवाओं को लागू करने के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 18 अन्य बैंकों के साथ मिलकर "इंडियन बैंक्स ब्लॉकचेन इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी (आईबीबीआईसी)" नामक एक संगठन का गठन किया है. इसके साथ ही निकट भविष्य में बैंकिंग सिस्टम भारत में डिजिटलीकरण की नई छलांग लगाने जा रहा है.

एआई/एमएल: बैंक ने एनालिटिक्स सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना है और अगले 3 वर्षों में संपूर्ण कारोबार मॉडलिंग एआई/एमएल के माध्यम से किए जाने हेतु प्रयासरत है. एआई आधारित आईवीआर सिस्टम, यू-मोबाइल एडॉप्शन एनालिसिस, क्रॉस सेलिंग/ क्रेडिट कार्ड की अपसेलिंग, वॉयस बॉट आदि जैसे विभिन्न उपयोग के मामले कार्यान्वयन आरंभ किया गया है, जबकि खुदरा/कृषि/एमएसएमई क्षेत्रों में प्रारंभिक चेतावनी सिग्नल (ईडब्ल्यूएस) पहले ही लागू हो चुका है.

रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन (आरपीए) : बैंक आरपीए में अग्रणी फिनटेक कंपनियों के साथ साझेदारी कर रहा है और शुरुआत में ऑटोमेशन के लिए कुछ प्रक्रियाओं की पहचान की है जैसे कि दैनिक रिपोर्ट तैयार करना, एटीएम समाधान, भुगतान निपटान आदि हेतु आरपीए का प्रयोग करना.

शामिल मुख्य विशेषताएं:

» खाता एग्रीगेटर इकोसिस्टम पर लाइव होने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का पहला बैंक (पीएसबी).

» ट्रिपल आईएसओ प्रमाणन प्राप्त करने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का पहला बैंक (पीएसबी): आईएसओ 27001:2013 (सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली) आइएसओ 22301: 2019 (कारोबार निरंतरता प्रबंधन प्रणाली), और आईएसओ 31000:2018 (आईटी जोखिम प्रबंधन).

» एंड-टू-एंड ऑटो-नवीनीकरण के माध्यम से 1 मिलियन तक एमएसएमई ऋण लागू करने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का पहला बैंक (पीएसबी).

» फिनेकल, मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन और एसएमएस में बहु-भाषी सुविधा प्रदान करने वाला पहला पीएसबी.

» पूरे देश में सभी बैंकों के बीच एटीएम स्विच प्रोसेसिंग में दूसरे स्थान पर.

» औसत मासिक सीबीएस लेनदेन 194 करोड़ से अधिक है, पिछले छ: महीनों में दैनिक औसत लेनदेन मात्रा में 20% की वृद्धि हुई है.

» 99.97% का औसत सिस्टम अपटाइम, ईज 4.0 के तहत सर्वोत्तम श्रेणी मानकों के अनुरूप है.

» बैंकिंग में मेटावर्स की शुरुआत करने वाला भारत का पहला बैंक.

» प्रतिष्ठित पीसीआाई-डीएसएस (पेमेंट कार्ड इंडस्ट्री-डेटा सिक्योरिटी स्टैंडर्ड) प्रमाण पत्र प्राप्त किया है, जो सभी भुगतान प्रणालियों और कार्डों से लेनदेन की प्रक्रियाओं को कवर करता है.

» व्हाट्सएप बैंकिंग, वॉयस बैंकिंग ओपन बैंकिंग आर्किटेक्चर, डिजिटल प्लेटफॉर्म, स्ट्रेट थ्रू प्रोसेसिंग (एसटीपी), रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन (आरपीए), और पूर्व-मंजूर वैयक्तिक ऋण (पीएपीएल) जैसे नवीन माध्यमों की शुरूआत.

हमारे स्तर पर नई पहल

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अपने सामान्य पूंजी उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए उभरती और भविष्य की प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने पर आवश्यक बल देता है. आपका बैंक उन्नत प्रौद्योगिकी समाधानों के माध्यम से ग्राहकों को निर्बाध डिजिटल अनुभव प्रदान करने के लिए समर्पित है. इसमें उपलब्ध है व्यक्तिगत वीडियो-आधारित समाधान, व्हाट्सएप बैंकिंग, पाम बैंकिंग, वीडियो केवाईसी, और कंटेनर-आधारित क्लाउड-रेडी एप्लिकेशन के लिए माइक्रोसर्विसेज आर्किटेक्चर. आपका बैंक सभी प्रौद्योगिकी कार्यान्वयन में नियामक अनुपालन और सुरक्षा को प्राथमिकता देता है.

प्रौद्योगिकी क्षेत्र में प्रमुख हितधारकों के साथ सहयोग बैंक की प्रमुख प्राथमिकता है. यह डिजिटल लेजर-आधारित ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी पर आरबीआई आईटी इनोवेशन हब के साथ सक्रिय रूप से काम करता है और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) पर इसका चयन एक पायलट प्रोजेक्ट हेतु किया गया है. यूनियन बैंक अकाउंट एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म में भी अग्रणी है और डिजिटल लेंडिंग के लिए ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) और ओपन क्रेडिट इनेबलमेंट नेटवर्क (ओसीईएन) के साथ एकीकृत है. इसके साथ ही, आपका बैंक ग्राहक अनुभव और सुविधाओं तक पहुँच के लिए अमेज़ॅन, एलेक्सा और गूगल असिस्टेंट वॉयस बॉट्स के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित संवादी बैंकिंग सेवा प्रदान करता है.

भविष्य के विकास और नवाचार की खोज में, यूनियन बैंक एआई/एमएल, 5जी, ब्लॉकचेन, मेटावर्स और डेवसेक विकल्पों जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाता है. आपका बैंक सक्रिय रूप से समाधान तलाशता है, फिनटेक कंपनियों के साथ साझेदारी करता है, और ग्राहक डेटा और प्राथमिकताओं का विश्लेषण करने के लिए अपने एनालिटिक्स सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एसीओई) और डेटा लेक का प्रयोग करता है, जिससे व्यक्तिगत सेवाओं की डिलीवरी होती है.

ये तकनीकी पहल भविष्य में बैंक के कार्यनीतिक फोकस से संबद्ध हैं. यूनियन बैंक का लक्ष्य तेजी से डिजिटल संसाधन परिनियोजन की सुविधा के लिए हाइब्रिड क्लाउड पर क्लाउड नेटिव एप्लिकेशन को होस्ट करना है. इसका उद्देश्य व्यापक बैंकिंग अनुभव बनाने के लिए एआई और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) को एकीकृत करना, बैंकिंग सेवाओं के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और कनेक्टेड उपकरणों के कौशल का उपयोग करना, ग्राहक सूचना सुरक्षा के लिए सुदृढ़ सुरक्षा उपायों को लागू करना, माइक्रोसर्विसेज-आधारित ओमनी चैनल प्लेटफॉर्म की स्थापना करना-एकीकृत ग्राहक अनुभव के लिए निरंतर विकास और एप्लिकेशन आधुनिकीकरण के लिए डेवऑप्स टूल जैसी नई प्रथाओं को अपनाना है.